कक्षा कार्य

11/9/19

पाठ-12

किरात-अर्जुन का युद्ध

कठिन शब्द

1. गरजता
2. धमा नभग
3. सर्वश्रेष्ठ
4. पटखनी
5. दिव्यास्त्रों
6. बदन
7. बलिष्ठ
8. पूजा-अर्चना
9. दृष्टि
10. असलियत
11. पशुपति
12. तपस्या
13. तपस्वी
14. मृगचर्म
15. क्रोध
16. युद्ध
17. भीषण
18. धनुर्विद्या
19. मल्लयुद्ध
20. ~~चक्कर~~ स्वयमेव

11/9/19

कक्षा कार्य

Date:
Page:

12/09/19

अति लघुउत्तरीय प्रश्न

प्र०1 शक्ति बढ़ाने में कौन लगे थे?

उ० पाडंव।

प्र०2 अर्जुन ने कौन सा दिव्यास्त्र प्राप्त किया?

उ० पशुपति।

प्र०3 अर्जुन किसकी उपासना कर रहे थे?

उ० भगवान शिव।

प्र०4 युद्ध किसके -किस के मध्य ~~में कौन~~ हो रहा था?

उ० अर्जुन और किरात।

प्र०5 किरात के वेश में कौन था?

उ० भगवान शिव।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्र०1 अर्जुन ने युद्ध मध्य में ही क्यों त्याग दिया?

उ० अर्जुन युद्ध करते-करते थक कर हताश हो गए थे इसलिए उन्होंने युद्ध मध्य में ही त्याग दिया।

Kumar

Date: / /
Page:

प्र० २ अर्जुन भगवान शंकर की पूजा क्यों कर रहे थे?

उ० पशुपति नामक दिव्यास्त्र प्राप्त करने के लिए अर्जुन भगवान शिव की पूजा कर रहे थे।

प्र०३४ भगवान शंकर ने अर्जुन की परीक्षा क्यों ली?

उ० अर्जुन की वीरता को परखने के लिए भगवान शंकर ने उनकी परीक्षा ली।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्र०१ किरात कौन था? उसका रंग रूप कैसा था?

उ० किरात के वेश में भगवान शिव थे। किरात का शरीर बहुत बलिष्ठ था उस के चौड़े माथे पर जंगली फूलों की बेल बंधी थी और बदन पर मृगचर्म था।

वाक्य प्रयोग

(1) तपस्या - अर्जुन ने तपस्या करके पशुपति प्राप्त किया।

(2) भीषण - आज बहुत भीषण गर्मी है।

(3) व्यस्त - मैं आज दिन-भर बहुत व्यस्त रहा।

14/10/19

पाठ-12

किरात-अर्जुन का युद्ध

गतिविधि

महाभारत के किसी एक अंश को कहानी के रूप में लिखिए।

एक बार की बात है वनवास के समय पाडव अपनी शक्ति बढाने में लगे थे। अर्जुन ने दिव्यास्त्र पाने के लिए भगवान शंकर की तपस्या की तभी एक अचानक सूअर आ गया। अर्जुन ने उसपर बाण चला दिया उसके पास जा के देखा तो बदन में दो तीर लगे थे। तीर निकालने के लिए हाथ बढाया ही था कि एक आवाज सुनाई दी अर्जुन ने देखा एक किरात धनुष बाण लिए चला आ रहा है और बदन पर मृगचर्म था। अर्जुन ने कहा - इसका शिकार मैंने किया है। किरात ने कहा - मैंने किया है। यदि तुम पीछे नहीं हटे

तो मुझसे युद्ध करना होगा। देखते-देखते दोनों में युद्ध शुरू हो गया। अभी तक अर्जुन अपने को सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर मानते थे।, लेकिन किरात को देखकर वे सोच में पड़ गये। दोनों मे मलयुद्ध हुआ। किरात ने अर्जुन को कई बार पटक दिया। अर्जुन सोच मे पड़ गये कि साधारण किरात भी इतना ताकतवर हो सकता है अर्जुन ने कहा रूको, पहले मैं भगवान शंकर की पूजा कर लूँ फिर युद्ध करूँ। अर्जुन जो फूल भगवान शिव पर चढ़ाते वे किरात पर गिरने लगा। यह देखकर अर्जुन हाथ जोड़कर खड़े हो गए और ~~किरात~~ किरात की जगह बिल्कुल सामने भगवान शिव प्रकट हो गए। शंकर जी ने कहा तुम असल में वीर हो और पशुपति नामक दिव्यास्त्र अर्जुन को प्राप्त हो गया। वे अजेय हो गये।

Kumar

पाठ-13

श्रम की महिमा

कठिन शब्द

1. कागज
2. व्यापारी
3. कपास
4. जुलाहों
5. कंकर
6. चक्की
7. आश्रम
8. पुस्तक
9. शौचालय
10. श्रम
11. अनाज
12. चक्की

Kumar
Date: / /
Page:

कविता

तुम कागज़ पर लिखते हो
वह सड़क झाड़ता है।
तुम व्यापारी
वह धरती में बीज गाड़ता है।
एक आदमी घड़ी बनाता
एक बनाता चप्पल
इसीलिए ~~बड़~~ वह बड़ा, वह छोटा
इसमें क्या बल?
सूत कातते थे गाँधीजी
कपड़ा बुनते थे।
और कपड़ा जुलाहों के जैसा ही
बुनते थे।
चुनते थे अनाज के कंकर
चक्की पीसा करते थे।
आश्रम के अनाज छाने

आश्रम में पिसते थे।

जिल्द बाँध लेना पुस्तक की

उनको आता था।

शौचालय की साफ-सफाई

नित करना भाता था।

ऐसे थे गाँधी जी

ऐसे था उनका आश्रम

गाँधी जी के लिए

पूजा के समान था श्रम।

-भवानी प्रसाद मिश्र

संदेश - कोई काम छोटा-बड़ा नही होता। हर काम श्रेष्ठ है।

15/10/19

16/10/18

Kumar Date: / / Page:

पाठ-13

प्र०१ श्रम करने वाले क्या-क्या करते हैं?

उ० श्रम करने वाले धरती में बीज गाड़ते हैं, सड़क झाड़ते हैं, घड़ी बनाते हैं, चप्पल बनाने जैसे अनेक काम करते हैं।

प्र०२ महात्मा गाँधी आश्रम में रहकर क्या-क्या काम करते थे?

उ० महात्मा गाँधी आश्रम में रहकर सूत कातते, कपड़ा बुनते, चक्की पीसते और साफ-सफाई जैसे अनेक काम करते थे।

प्र०३ गाँधी जी के लिए श्रम किसके समान था?

उ० गाँधी जी के लिए श्रम पूजा के समान था।

प्र०४ श्रम से सफलता कैसे मिलती है?

उ० श्रम करने वाले हर काम को आसानी से पूरा करके सफलता प्राप्त कर लेते हैं।

प्र०५ जीवन में कठिनाइयों का सामना कैसे किया जाना

Kumar

Date: / /
Page:

चाहिए २

उ०- जीवन में कठिनाइयों का सामना डटकर करना चाहि

22/10/19

22/10/1

1-

2-

3-

4-

5-

6-

7-

8-

9-

10

Kumar

Date: / /
Page:

22/10/19

पाठ – 14

वायु और जीवन

कठिन शब्द

1- ऑक्सीजन
2- कार्बनडाईऑक्साइड
3- संवृद्धि
4- विषाणु
5- जीवाणु
6- क्रियाशील
7- ग्रहण
8- अँगीठी
9- चूल्हे
10- उठती
11- लकड़ी
12- कोयले
13- मिचलाना
14- उल्टियाँ
15- पर्यावरण
16- कारखानों
17- प्रदूषण
18- कृषि
19- विद्युत
20- अवशिष्ट

कक्षा कार्य

22/10/19

पाठ-15

'वायु और जीवन'

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न-

प्र०1 साँस लेते समय हम क्या ग्रहण करते हैं?

उ० ऑक्सीजन।

प्र०2 साँस छोड़ते समय हम क्या ~~ग्रहण करते~~ छोड़ते हैं?

उ० कार्बन डाई ऑक्साइड।

प्र०3 आग को जलने में कौन सी गैस मदद करती है?

उ० ऑक्सीजन।

प्र०4 श्वास सम्बन्धी बीमारियाँ किस कारण होती हैं?

उ० प्रदूषित वायु से।

लघु उत्तरीय प्रश्न-

प्र०1 शुद्ध वायु हमारे लिए किस प्रकार लाभकारी है?

उ० शुद्ध वायु में विभिन्न ~~प्र~~ गैसों की संतुलित एवं निश्चित मात्रा पाई जाती है जो हमारे रक्त को

साफ करती है, सभी अंगों को क्रियाशील बनाती है, शारीरिक वृद्धि करती है एवं बिमारियों से बचाती है।

प्र०२ जलती मोमबत्ती को ढक देने पर क्यों बुझ जाती है?

उ० जलती मोमबत्ती को ढक देने पर उसे ऑक्सीजन मिलना बंद हो जाती है, इसलिए वह बुझ जाती है।

22/10/19

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्र०१- प्रदूषित वायु किसे कहते हैं? एवं वायु किन कारणों से प्रदूषित होती है?

उ० वायु में जब ऑक्सीजन की मात्रा घट जाती है और कार्बन डाईआक्साइड बढ़ जाती है एवं अन्य जहरीली गैसे मिल जाती हैं तो उसे प्रदूषित वायु कहते हैं। वायु प्रदूषित के निम्न

कारण है :-

1- बढ़ती जनसंख्या ।

2- पेड़ो का कटना ।

3- कारखांनो ,वाहनो आदि का धुआँ इत्यादि ।